फीचर लेखन

फीचर का स्वरूप:-

समकालीन घटना या किसी भी क्षेत्र विशेष की विशिष्ट जानकारी के सचित्र तथा मोहक विवरण को फीचर कहा जाता है। इसमें मनोरंजक ढंग से तथ्यों को प्रस्तुत किया जाता है। इसके संवादों में गहराई होती है। यह सुव्यवस्थित, सृजनात्मक व आत्मनिष्ठ लेखन है, जिसका उद्देश्य पाठकों को सूचना देने, शिक्षित करने के साथ मुख्य रूप से उनका मनोरंजन करना होता है।
इसमें तथ्य, कथन व कल्पना का उपयोग किया जा सकता है। फीचर में आँकड़ें, फोटो, कार्टून, चार्ट, नक्शे आदि का उपयोग उसे रोचक बना देता है।

फीचर व समाचार में अंतर:-

फीचर में लेखक के पास अपनी राय या दृष्टिकोण और भावनाएँ जाहिर करने का अवसर होता है, जबकि समाचार लेखन में वस्तुनिष्ठता और तथ्यों की शुद्धता पर जोर दिया जाता है।

फीचर में शब्दों की अधिकतम सीमा नहीं होती। ये आमतौर पर 250 शब्दों से लेकर 500 शब्दों तक के होते हैं, जबकि समाचारों पर शब्द-सीमा लागू होती है।

फीचर का विषय कुछ भी हो सकता है, समाचार का नहीं।

फीचर के प्रकार:-

फीचर के प्रकार निम्नलिखित हैं-

1-समाचार फीचर

2-घटनापरक फीचर

3-व्यक्तिपरक फीचर

4-लोकाभिरुचि फीचर

5-सांस्कृतिक फीचर

6-साहित्यिक फीचर

7-विश्लेषण फीचर

8-विज्ञान फीचर

प्रश्न 1-फीचर किसे कहते हैं ?

प्रश्न 2-फीचर और समाचार लेखन में क्या अंतर है ?